यूपी में वेयरहाउसिंग व लाजिस्टिक्स के क्षेत्र में अपार संभावनाएं : नन्दी

यूपी में व्यापार आसान, क्योंकि कानून-व्यवस्था बेहतर है

जागरण संवाददाता • लखनऊ : औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने कहा कि वेयरहाउसिंग व लाजिस्टिक्स उद्योग से वर्ष 2021 में राजस्व 150 अरब अमेरिकी डालर था, यह वर्ष 2025 में 380 अरब अमेरिकी डालर पहुंच जाएगा। उत्तर प्रदेश में उस क्षेत्र के विकास की अपार संभावनाएं हैं। यह राज्य जल्द ही एक ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश देश का ग्रोथ इंजन बनकर उभरा है। यूपी में व्यापार आसान है, क्योंकि कानून-व्यवस्था बेहतर है। कर व अन्य चीजों को लेकर व्यापारी समझौता कर सकता है, लेकिन गुंडागर्दी नहीं। यूपी में घरेलू व अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट की बढ़ती संख्या के लिए मुख्यमंत्री व केंद्र सरकार का आभार जताते हुए सपा व बसपा पर तंज भी कसे।

मंत्री नन्द ने बुधवार को गोमती नगर स्थित सीआइआइ भवन में उत्तर प्रदेश वेयर हाउसिंग एंड लाजिस्टिक्स समिट-2024 को संबोधित करते हुए कहा कि आने वाले समय में भारत का पचास प्रतिशत एक्सप्रेसवे सिर्फ यूपी में होगा। वर्तमान में यह ग्राफ 37 प्रतिशत से अधिक है। उन्होंने कहा कि उद्यमियों की समस्याओं के

उप्र वेयरहाउसिंग समिट में बोलते औद्योगिक मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नन्दी व मंच पर बैठे श्रीहरि प्रताप सिंह, अनूप चौहान, आलोक शुक्ला व अन्य • जागरण

निस्तारण के लिए उद्यमी मित्र बनाए गए हैं। आह्वान किया कि अगर फिर भी कोई समस्या किसी उद्यमी को है तो वह सीधे मिल सकते हैं।

एक्सप्रेसवे के किनारे फैलेगा लाजिस्टिक व वेयरहाउसिंग का नेटवर्क : कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीहरि प्रताप शाही ने बताया कि प्रदेश में वेयरहाउसिंग एंड लाजिस्टिक्स का भविष्य उज्जवल है। यूपीडा के लिए अधिग्रहीत की जाने वाली 40 प्रतिशत जमीन पर वेयर हाउस व लाजिस्टिक पार्क बनाए जाएंगे।

पचास प्रतिशत जमीन पर उद्योग स्थापित किए जाएंगे हालांकि प्रस्ताव में बदलाव भी संभव है। शाही ने बताया कि यूपी में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर वाहन चल रहे हैं। इसके अलावा निर्माणाधीन एक्सप्रेसवे में पूर्वांचल से लिंक होने वाला गोरखपुर एक्सप्रेसवे, गंगा एक्सप्रेसवे व तीसरा बुंदेलखंड जो चित्रकूट से कनेक्ट किया जा रहा है। शाही ने डिफेंस कारिडोर को लेकर चल रहे कार्यों के बारे में भी बताया। समिट में कंफेडरेशन आफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआइआइ) की ओर से आलोक शुक्ला, आकाश गोयनका, एएमए हर्बल से यावर अली शाह सहित सौ प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।